RAJYA SABHA

Monday the 3rd September, 1990/ the 12th Bhadra, 1912 (Saka)

The House met at eleven of the clock, **Mr. Chairman** in the Chair

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

Increase in air fare by Indian Airlines

*341. SHRI HARVENDRA SINGH HANSPAL: Will the Minister of CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether the Indian Airlines has recently increased air fares in the domestic sector;

(b) if so, what are the reasons therefor;

(c) whether Government propose to adopt a definite policy in the revision of air fares; and

(d) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF ENERGY WITH ADDITIONAL CHARGE OF THE MINISTRY OF CIVIL AVIATION (SHRI ARIF MOHD. KHAN): (a) to (d) A statement is laid on the Table of the Sabha.

Statement

(a) and (b) Yes, Sir. With effect from 11th April, 1990, the Indian Airlines has increased the total domestic rupee fare by 15.7% in the form of fuel surcharge to offset the increase in the price of aviation turbine fuel. With effect from Ist July, 1990 the Inland Air Travel Tax levied by the Government has been increased from 10% of the basic fare to 15% of the total fare.

(c) and (d) The Kelkar Commitee set up by the Planning Commission has, in its report of December 1989, made various recommendations on the domestic fare structure. The recommendations are under examination.

श्री हरवेन्द्र सिंह हंसपाल : चेयरमैन महोदय, मंत्री जी ने बताया कि 11 अप्रैल, 1990 से 15.7 परसेंट फ्यूल सरचार्ज की वजह से एयरलाइंस के किराए में वृद्धि कर दी गई है। इस सिलसिले में मैं यह जानना चाहूंगा कि क्या अगर फ्यूल की किसी वजह से किसी वक्त प्राइसेज डाउन हुई तो उसी हिसाब से आप किराए में भी कमी कर देंगे . . . (व्यवधान)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : हंस तो मोती खाता है और कुछ नहीं ।

श्री सभापति : दिल बहलाने को गालिब यह ख्याल अच्छा है।

श्री हरवेन्द्र सिंह हंसपाल : उन्होंने स्पेसिफिकली लिखा है कि यह फ्यूल सरचार्ज है क्योंकि इंक्रीज इन दी प्राइस आफ एविएशन टरबाइन फ्यूल। अगर किसी वजह से कमी किसी वक्त होती है तो मैं समझता हूं कि उसी प्रोपोरशन में, उसी हिसाब से, क्या वे किराए के रेट भी कर देंगे ? देश के अन्दर एयरलाइंस आपकी मोनोपोली है । मैं जानना चाहता हूं कि कितनी ओकुपेन्सी है और कितना ब्रेकइवन होता है और आज की तारीख में एयरलाइंस की क्या ओकुपेंसी है ? अगर आपके पास फीगर्स न हों तो आप बाद में हाउस को बता दीजिए क्योंकि हालात ये हैं कि कहीं टिकट लेना हो तो आपकी सिफारिश के बगैर टिकट नहीं मिलता है । इसका मतलब यह है कि हेन्ड्रेड परसेंट से ऊपर हमारी ओकुपेंसी है और ब्रेकइवन हेन्ड्रेड परसेंट कभी होता नहीं और हेन्ड्रेड परसेंट एफिसिऐंसी भी नहीं होती है। लेकिन हमारे देश की खुशकिस्मती है कि आप की एयरलाइंस की हेन्ड्रेड परसेंट ओकुपेंसी है । इसलिए मैं जानना चाहता हूं कि ओकुपेंसी का परसेंटेज क्या है और कितना ब्रेकइवन है ? जो मैंने मोनोपोली की बात कही है तो आप यह बताइए कि क्या आप किसी प्राइवेट एयरलाइंस को, किसी प्राइवेट पार्टी को, भी एयरलाइंस चलाने की इजाजत देने

के बारे में सोच रहे हैं? आपने पार्ट (सी) और (डी) के उत्तर में कहा है कि केलकर कमेटी की रिपोर्ट प्लानिंग कमीशन की तरफ से आई है और रिकमेंडेशंस आर अन्डर एक्जामिनेशन। मैं यह जानना चाहता हूं कि आपकी सरकार रहने तक क्या आप एक्जामिनेशन कर पायेंगे, यह बताइए और यह काम कब तक हो जाएगा?

श्री आरिफ मोहम्मद खान : सभापति जी, माननीय हंसपाल जी ने बहुत महत्वपूर्ण सुझाव दिया है कि अगर तेल की कीमतों में कोई कमी हो जाय तो फिर क्या उसके हिसाब से किराया भी घटेगा। मैंने माननीय सदस्य का सुझाव नोट कर लिया है।

श्री सभापति : किराया नहीं, वे सरचार्ज के बारे में कह रहे हैं।

श्री आरिफ मोहम्मद खान : तेल की कीमतें बढ़ने पर कहा है...

श्री सभापति : वे यह कह रहे हैं कि अगर तेल की कीमतें कम हो जाय तो क्या उसका सरचाज भी कम होगा।

श्री आरिफ मोहम्मद खान : मेरा निवेदन वही था कि मैं उस अच्छे समय का इंतजार करूंगा और जब तेल की कीमतें कम हो जायेंगी तो तब माननीय सदस्य के सुझाव पर जरूर विचार किया जाएगा।

श्रीमन्, इंडियन एयर लाइंस में युटिलाइजेशन के बारे में जो माननीय सदस्य ने पूछा है, इस वक्त युटिलाइजेशन 77 प्रतिशत से थोड़ा ज्यादा ही है...

श्री सभापति : एवरेज।

श्री आरिफ मोहम्मद खान : एवरेज, लेकिन 100 प्रतिशत इसलिए भी नहीं हो पाया है क्योंकि जहाज को उड़ाने के लिए, उसमें जितनी सीटें हैं, उनको सिर्फ भर पाना ही काफी नहीं होता बल्कि यह भी देखना पड़ता है कि उड़ते वक्त कितना वजन रहे, जिससे यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। यह इस वक्त 77 प्रतिशत से थोड़ा बहुत ज्यादा रहती है। श्रीमन, मैं इतना जरूर कहना चाहूंगा कि एयर ट्रैवल, हवाई जहाज से यात्रा करना, यह पूरा उद्योग बहुत ज्यादा कैपिटल इंटेंसिव सेक्टर है। यह संभव नहीं है कि हवाई जहाज से यात्रा करने वालों का भार सरकार अपने ऊपर ले और सिर्फ...

MR. CHAIRMAN: You are not willing to subsidise. That is all.

श्री आरिफ मोहम्मद खान : किराए के भार का ही मामला नहीं है, जैसा मैंने कहा, चूंकि यह कैपिटल इंटेंसिव सेक्टर है, अगर इस क्षेत्र का विस्तार करना है, अगर नए जहाज चाहिए, अगर उसकी क्षमता को बढ़ाना है तो इसमें जितने रुपए की, जितनी लागत की आवश्यकता है तो यह बात ध्यान में रखनी पड़ेगी कि भारत सरकार की तरफ से एयर इंडिया या इंडियन एयर लाइंस को कोई बजटरी सपोर्ट नहीं दी जाती। इसलिए अपनी क्षमता बढ़ानी है, अगर हमें इसको ज्यादा सुविधायें उपलब्ध कराना है तो इसके लिए अपने संसाधन पैदा करने पड़ेंगे। श्रीमन, आज की पोजीशन यह है कि जो हमारा डोमेस्टिक सेक्टर है, अगर हम पूरी दुनिया में देखें तो ये जो विभिन्न एयर लाइंस के विभिन्न जहाज उड़ते हैं, अगर कहीं से भी तुलना करें तो उसमें आज की पोजीशन यह है कि हमारे यहां अगर शार्ट हाल की बात करें, छोटे रूट जो हैं, तो हम पर किलोमीटर जो किराया ले रहे हैं वह 1.86 पैसा है। जैसे मिसाल के तौर पर भोपाल इंदौर श्रीमन, आपके मध्य प्रदेश का ले लें तो 177 किलोमीटर डिस्टेंस है और किराया है 310 रुपया। इसका एवरेज 1.86 पर किलोमीटर पड़ता है।

श्री सभापति : आप दुनिया में सबसे कम किराया ले रहे हैं ।

श्री आरिफ मोहम्मद खान : जब कि लंदन-बरमिंघम . . .

श्री दीपेन घोष : हमारी पर कैपिटा इंकम बहुत कम है . . .

श्री आरिफ मोहम्मद खान : मेरा ख्याल है कि हवाई जहाज से यात्रा करने वालों पर यह मापदंड नहीं लगाया जा सकता है . . . (व्यवधान)

श्री विश्वजित पृथ्वीजित सिंह : दिल्ली से मद्रास का किराया क्या है और दिल्ली से किसी बाहर के देश का किराया क्या है ?

श्री सभापति : आप तो अपना जवाब दीजिए । सवाल लिमिटेड है, जवाब लिमिटेड रखिए ।

श्री आरिफ मोहम्मद खान : मैं समझ नहीं पाया कि क्या हुआ, सदन में क्या हुआ . . . (व्यवधान)

श्री विक्रम वक्त : खैरियत की खबर दे रहे हैं । . . . (व्यवधान)

श्री आरिफ मोहम्मद खान : बालकों को अपमानित मत कीजिए ।

श्री सभापति : इनका दूसरा सवाल था कि क्या आप प्राइवेट को इसकी इजाजत दे रहे हैं ।

श्री आरिफ मोहम्मद खान : मेरा कहना यह है कि दूसरे किसी भी देश के मुकाबले, बावजूद इस बात के कि हमारी पर कैपिटा इंकम कम है, लेकिन हवाई जहाज से यात्रा करने वालों को पर कैपिटा इंकम कम होने का फायदा मिले यह बात सही नहीं है, अगर हमें अपनी एयर लाइंस को बढ़ाना है । प्राइवेट एयर टैक्सी . . .

SHRI DIPEN GHOSH: It is relative.

MR. CHAIRMAN: When your turn comes, you can ask. I have not called you.

श्री आरिफ मोहम्मद खान : बीच में थोड़ा सा विघ्न होता है ।

मैं कह रहा हूं कि प्राइवेट एयर टैक्सी स्कीम की घोषणा पहले ही की जा चुकी है । हमने नई सरकार बनने के बाद उसमें कुछ और जो पाबंदियां थीं उसको थोड़ा और आकर्षक बनाने की कोशिश की है । कुछ लाइसेंसेज दिये भी जा चुके हैं और शायद एक या दो ऐसे लाइसेंस होल्डर्स हैं जिन्होंने अपनी सेवायें शुरू भी कर दी है जिसका उद्देश्य भी यही है कि हम क्षमता बढ़ा सकें ।

श्री हरवेन्द्र सिंह हंसपाल : मंत्री महोदय ने बड़ी कृपा की । उन्होंने बताया कि 77 परसेंट के करीब जहाज में—मैं आकुपेंसी शब्द का इस्तेमाल कर रहा हूं, मेरे ख्याल में आप समझ रहे हैं—सीट आकुपेंसी है । आपने कहा कि सौ परसेंट नहीं हो सकती । 77 परसेंट एवरेज है यह आपने कहा । इसका मतलब यह है कि कुछ जहाज इससे ज्यादा आकुपाई होते होंगे, कुछ कम होते होंगे, तभी 77 आया । मैंने खुद देखा है कि ट्रंक रूटस के ऊपर 100 परसेंट से भी ज्यादा आकुपेंसी होती है । आप कहते हैं कि हो ही नहीं सकती । मैं आपको चैलेंज नहीं करता, लेकिन आप ट्रंक रूटस के ऊपर देखिए जहां पर बहुत दिक्कत है खास तौर से दिल्ली मुम्बई, दिल्ली . .

श्री सभापति : आपका प्रश्न क्या है ।

श्री हरवेन्द्र सिंह हंसपाल : मैं प्रश्न पूछता हूं । प्रश्न जरूर पूछूंगा । साथ ही साथ ब्रेक-इवन आपने नहीं बताया । वह इस वक्त होगा नहीं आप बाद में बता दीजिएगा क्योंकि ब्रेक-इवन बहुत कम होता है । ब्रेक-इवन बताने के बाद मेरा नेक्स्ट क्वेश्चन यह है कि आप किराए बढ़ाते है और सर्विस इंप्रूव नहीं होती है । सर्विसेज की क्वालिटी घटती

चली जा रही है दिन ब दिन (व्यवधान) खाना सर्विसेज में आ जाता है। खाने की बात कही तो मुझे ध्यान में आया कि मैं खुद.....

श्री सभापति : इनका प्रश्न यह है कि क्या आप सर्विसेज इंप्रूव करेंगे ?

श्री हरवेन्द्र सिंह हंसपाल : दिल्ली से हैदराबाद गया।

श्री सभापति : तीन तीन-चार चार सवाल से ज्यादा नहीं हो सकते हैं। हर आदमी सुनाएगा कि मैं इलाहाबाद गया, मैं हैदराबाद गया, मैं लखनऊ गया तो बड़ी मुश्किल हो जाएगी।

श्री हरवेन्द्र सिंह हंसपाल : सर्विसेज पूअर है। मेरी बहिन ने कहा कि खाने का स्टेंडर्ड बहुत डाउन है। सर्व ही नहीं करते हैं फ्लाइट के अन्दर। मैं यह चाहूंगा कि अगर आपने किराया बढ़ाया है।

श्री सभापति : तो अच्छा खाना खिलाएं।

श्री हरवेन्द्र सिंह हंसपाल : खाना नहीं, क्या-क्या सर्विस क्वालिटीज इस फ्लाइट एंड आउटसाइड फ्लाइट आपने बढ़ाई है यह बताइए।

श्री सभापति : अच्छा खाना खिलायेंगे, शुद्ध घी खिलायेंगे, लस्सी पिलायेंगे कि नहीं पिलायेंगे ?

श्री आरिफ मोहम्मद खान : श्रीमन, हमारा निरन्तर प्रयास है कि इन सेवाओं को बेहतर से बेहतर बनाया जाए और मैंने बार-बार कहा है श्रीमन्, माननीय सदन में भी और बाहर भी कि जहां तक हवाई सेवाओं का संबंध है सबसे पहले यात्रियों की सुरक्षा, उसके बाद यात्रियों की सुविधाएं और उसी के बाद जो कामर्शियल कंसीडरेंस कोई हो सकते हैं वे सब उसके बाद आएंगे। यह एक निरंतर प्रयास और एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। मैं माननीय सदस्य को आश्वस्त करना चाहूंगा कि जो कुछ संभव है वह करेंगे और उनके सुझाव तथा उनकी मदद और उनका सहयोग भी हमें चाहिए जिससे कि हम इन सेवाओं में ज्यादा सुधार कर सकें।

श्री सभापति : उनका कहना यह है कि कुछ प्लेन्स में मोर देन 100 परसेंट आकूपेंसी रहती है। तो क्या लोग खड़े रहते हैं ? स्टैंडिंग रखा है कुछ आपने ?

श्री हरवेन्द्र सिंह हंसपाल : जो एयर होस्टेस की सीट होती है, उस पर भी पैसेंजर्स बैठे होते हैं।

श्री आरिफ मोहम्मद खान : मुझे इसकी जानकारी नहीं है। मैं जरूर इसके बारे में जानकारी उपलब्ध कराऊंगा।

श्री सभापति : मैंने सोचा कि बस की तरह उसमें भी स्टैंडिंग शुरू कर दिया हो।

श्री आरिफ मोहम्मद खान : मैंने यह नहीं कहा कि 100 परसेंट नहीं हो सकती है। मैंने सिर्फ इसलिए कहा कि यात्रियों के साथ सामान भी होता है, उसके वजन का ध्यान रखकर इस वक्त 77 प्रतिशत है।

SHRI DIPEN GHOSH: Mr. Chairman, Sir, the honourable Minister has stated that the fare in the Indian Airlines is much less than the average fare in other countries, and he has sought to justify it by saying that the per capita national income relativity does not apply in this case because air travellers be'ong to the higher income groups. But to put the record straight, I want to say that the incomes of the higher income groups in those countries are much higher than those of ours. So, there is one relativity still there.

MR. CHAIRMAN: He only said that we need not subsidize air fares because it is used by the more affluent people.

SHRI DIPEN GHOSH: It cannot be compared because the service

rendered by the foreign airlines to domestic passengers are far better than the services rendered here. They are not at all comparable to the services which are rendered by the Indian Airlines to its passengers.

He has stated that it is a continual process. A continual process must bring improvement. But there is deterioration.

MR. CHAIRMAN: But what is your question now?

SHRI DIPEN GHOSH: That is a different question. Mr. Chairman, Sir, he has stated that it is a capital—intensive industry and that for that matter, in order to supply more inputs and infrastructure, they have taken a dicision to privatise certain aspects of the airlines industry, taxies. But I fail to understand, what the national Government cannot do, how a small entrepreneur or a businessman can do. The services can be rendered by the Indian Airlines. It is being said that in order to see that more services, better services are provided, it is being privatised, as if a private entrepreneur is much more capable than the Government. That concept is wrong.

MR. CHAIRMAN : What is your question ?

SHRI DIPEN GHOSH : I am putting.

MR. CHAIRMAN : Put your question. Come to your specific question.

SHRI DIPEN GHOSH : I am told, and I have seen, that under the private taxi scheme, licences have been given even in the Bangalore-Magalore sector. They have been allowed to charge more fare than what the Indian Airlines used to charge. Why ? The private entrepreneur has been allowed to charge more fare than that charged by the ndian Airlines when it used to perate those services. Why ?

MR. CHAIRMAN Why is it that you have allowed them to charge higher fares than those charged by the Indian Airlines?

SHRI ARIF MOHD. KHAN : Sir, there was a restriction earlier that any private licensee cannot charge less than—in fact, it was not "more than"—what the Indian Airlines or the Vayudoot is charging on the same sector.

MR. CHAIRMAN : They may not undercut you.

SHRI ARIF MOHD. KHAN : Right, Sir. when I announced various steps to liberalise the air taxi service scheme, I stated at that time that this restriction we were removing and that they were free to charge any fare. After all, they are not running on a sector which is exclusively reserved for them. I am not admitting failure of the Government when I announced the private air taxi scheme. I am not saying that because I cannot provide the services, that is why I want the private sector to come. (*Interruptions*) I am coming to it.

SHRI DIPEN GHOSH : Then what made the Government to give the licences to the private sector ?

SHRI ARIF MOHD. KHAN : Let me at least complete. I cannot convey everything in just one sentence. That is not possible for me. Let me complete.

First of all, this scheme was in operation since the last two, three years, the private air taxi scheme. This Government only liberalised the earlier scheme which was announced in 1989 or 1988.

SHRI DIPEN GHOSH : That is our objection.

SHRI JAGDESH DESAI : Only announced.

SHRI ARIF MOHD. KHAN : Only announced ? Licences were given.

SHRI DIPEN GHOSH : Here is our objection that there is faithful carry-over of what the previous Government did.

SHRI ARIF MOHD. KHAN : Please let me complete. This is not fair. Or I will sit down. You ask as many questions as you like. You have asked certain questions. Let me complete.

MR. CHAIRMAN : Mr. Arif Mohd. Khan, the question is very simple. The question is whether you have permitted them to charge higher. Your answer is, if I may put it, that they are not competing with us. Earlier they did not want them to undercut. Now if they charge more and people want to pay more, how can you object ? You do not want to come into the picture if they charge more and give better food, good ghee and *lassi* and all that and good *sandesh*. (*Interruptions*)

SHRI ARIF MOHD. KHAN : Sir, we may have a difference of opinion. But the hon. Member is a very good friend and a very senior Member. I think he will at least allow me to complete. Let me have my full say.

MR. CHAIRMAN : Don't have a long say.

SHRI ARIF MOHD. KHAN : Sir, I will not.

MR. CHAIRMAN : I am cutting them also short.

SHRI ARIF MOHD. KHAN : Sir, this is a very serious charge. All kinds of things are being said.

MR. CHAIRMAN : Here he has said only this. (*Interruptions*) He has not gone beyond. He says that you are permitting them to charge higher rates. Why ? You have given the answer. The matter ends.

SHRI ARIF MOHD. KHAN : Sir, it has been said that if Government cannot provide the services....

MR. CHAIRMAN : I am not interested in whatever has been said outside. I am interested only in what has been said in the House.

SHRI ARIF. MOHD. KHAN: No, Sir. Here he said it. Just now he said, "If the Government cannot provide the services, how can the private sector provide the services ?" I am coming to that.

MR. CHAIRMAN : You are not holding brief for the private sector. Why do you bother ?

SHRI ARIF MOHD. KHAN : I am holding brief for the Government, ...

MR. CHAIRMAN : That is all right.

SHRI ARIF MOHD. KHAN ....because I have allowed the entry of the private sector, not because I am admitting failure. I have allowed entry of the private sector because I am looking for additionality of resources, because I am looking for additionality of capacity. I know the traffic is growing at a rate of 10 to 11 per cent, whereas I am not getting funds. The Finance Minister will appreciate this. He is nodding his head. I am getting no budgetary support from the Government. My resource position is difficult.

MR. CHAIRMAN : You have made it clear.

SHRI ARIF MOHD. KHAN : I am saying so because the hon. Member has made the point that other airlines are providing services which are not being provided by us for domestic flights. I very strongly dispute that claim. This can be checked. Other Airlines on the domestic sector hardly provide any service and definitely their services are nowhere near the services provided by the Indian Airlines. I am talking only of the domestic sector.

SHRI PRABHAKAR B. KORE: The hon. Minister just now informed that the fare on these flights is being charged on kilometre basis and per kilometre it comes to Rs. 1.86. I would like to point out that the distance between Belgaum and Bombay and Belgaum and Bangalore is the same. While the fare from Belgaum to Bombay is less than Rs. 800, the fare between Belgaum and Bangalore is Rs. 980. So, I think the fare is not on the kilometre basis. Will the hon. Minister answer why the fare between these two areas is different, while the distance between these two areas is the same.

MR. CHAIRMAN : You kindly look into it, why the fare between these two areas is different.?

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : सभापति जी, देश के दूर-दराज के इलाकों में जहां रेलगाड़ी नहीं चलती, सड़क से जाने में भी तीन-तीन, चार-चार दिन लगते हैं, वहां कम आमदनी वाले को भी हवाई जहाज से जाना पड़ता है । हाल में ही, मैं लेह में था। लेह सामरिक दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है, लेकिन लेह को जोड़नेवाली जो हवाई जहाज की कड़ी है, जब सारे देश में किराए बढ़ते हैं और किराए कम करने के बारे में विचार होता है तो लेह के लिए कोई विशेष विचार नहीं होता । लेह निवासियों का कहना है कि उनके किराए और कम होने चाहिए जिससे कि वे जरूरत पड़ने पर कम आमदनी होने हुए भी देश के और भागों में आ जा सकें ।

श्री आरिफ मोहम्मद खान : श्रीमन्, मुझे लेह के बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं है, लेकिन नार्थ ईस्ट रीजन में ... (**व्यवधान**) ... मुझे अगर सही याद है तो 17 प्रतिशत कि रिबेट वहां पर दी जाती है । जो बात माननीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी ने कही है, मैं उनसे पूरी तरह सहमत हूं कि लेह बहुत दूर-दराज का इलाका है और जो महत्व आपने बताया, वह भी है । निश्चित रूप से जिस तरह नार्थ ईस्ट रीजन है, उसी तरह वहां की समस्याओं पर भी विचार किया जाना चाहिए ।

SHRI T. A. MOHAMMAD SAQHY : The fare is being increased from time to time, but the facilities are remaining the same or are deteriorating. The quality of food supplied is not up to the mark. Even though they get food from five-star hotels, its quality is not good. I would like to know whether any quality control Officers are being appointed to check the quality.

Secondly, in the Airlines, aircraft from Delhi to Madras, Delhi to Calcutta, or from Delhi to Bangalore Journey takes at least three to three and a half hours. I would like to know if in such flights television sets or video sets can be provided, because passengers are paying so much money for it.

SHRI ARIF MOHD. KHAN : I have noted the suggestions made by the Hon. Member. As I stated earlier, we will try our best to improve the services as much as possible.

Combating Malaria

*342. SHRI B. K. HARIPRASAD : Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state :

(a) whether Government are aware of the observations of CAG on statistics regarding Malaria as reported in 'Rajasthan Patrika' of the 30th June, 1990;

(b) whether it is a fact that Malaria parasites have developed large scale resistance to Malaria drugs due to sub-standard quality of DDT and its irrational use;

(c) whether it is also a fact that excessive use of DDT has